राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत लाभार्थियों का ब्यौरा

१. श्री प्रीतम चंद पुत्र श्री रीडकू राम वार्ड न 5 भोटा उप तहसील भोटा जिला हमीरपुर
यह एक बी पी एल अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखने वाला परिवार है | इस परिवार में छः सदस्य हैं | प्रीतम जी स्वयं मजदूरी का काम करते हैं जिससे परिवार का भरण पोषण करते थे परन्तु बहुत सुविधाओं से वंचित भी थे | अपने बच्चों को ज्यादा शिक्षा दीक्षा भी ना दे पाए | नगर पंचायत भोटा में एन एल यु एम् के अंतर्गत उन्होंने एक भैंस के लिए ऋण लिया व उसका दूध बेचना शुरू किया जिससे उससे आमदन में बढौतरी हुई |

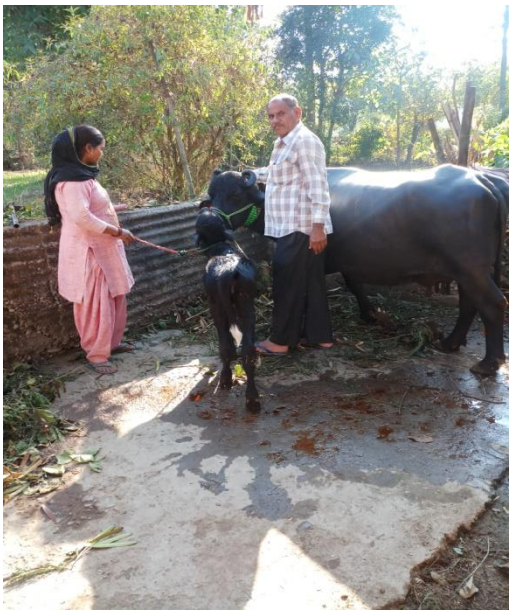

प्रीतम चंद ने अपनी इस आमदन से अपने अधूरे पड़े मकान को भी पूरा किया व बच्चों की शादी भी की | अपनी लड़की को सिलाई मशीन लाकर भी दी जिसके लिए वह सौ बार सोचते थे |

वह अब अपने इस काम को धीरे-धीरे बड़े मुकाम तक ले जाना चाहते हैं | राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत यह परिवार कई तरह से लाभ प्राप्त कर रहा है | इनकी पत्नी स्वंय सहायता समूह में शामिल है ,इनकी बहु ने एन एल यू एम के अंतर्गत कंप्यूटर की शिक्षा ली व अब पहले से अच्छा जीवन जी रहे हैं |

प्रीतम चंद की की बेटी ने इस मिशन के अंतर्गत सिलाई का प्रशिक्षण लिया व अब घर पर ही अपना सिलाई का काम कर रही है |

2. श्री देव राज जी पुत्र श्री रीडकू राम वार्ड न0 5 भोटा उप तहसील भोटा जिला हमीरपुर |

देव राज के परिवाए में कुल सात सदस्य हैं | वह स्वयं लकड़ी की शेट्रिंग का काम करते हैं | पहले उनके पास बहुत कम शेट्रिंग होती थी जिससे काम ढंग से नहीं हो पाता था | नगर पंचायत भोटा में एन एल यु एम् के अंतर्गत उन्होंने 200000/- का ऋण लिया व अधिक शेट्रिंग का सामान लिया जिससे अब वह एक समय में बहुत जगह पर अपनी शेट्रिंग का प्रयोग करते हैं जिससे उनकी आमदन में बहुत बढावा मिला है व उनकी इस कामयाबी से उनका परिवार बहुत खुश है |

देव राज का परिवार भी एक बी पी एल व अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाला परिवार है जिसमें पहले सुख सुविधाएं बहुत कम थीं | परन्तु अब उनमें भी दिन प्रतिदिन बढौतरी हो रही है | उनके परिवार से भी उनकी पत्नी स्वयं सहायता समूह में शामिल हैं व रेवोल्विंग फंड का उन्होंने भी काफी फायदा उठा रही हैं व समूह की आमदन को बढ़ाने में भी अपना योगदान दे रही हैं |

देव राज अब स्वयं ये कहते हैं कि उनको इस कम ब्याज पर प्राप्त ऋण से बहुत फायदा मिला है व भविष्य में भी ये इनका और फायदा लेते रहेंगे |

उनका यह कहना है कि अधिक ब्याज की बजह से वह ऋण नहीं ले पाते थे परन्तु कम ब्याज (7%) की इस सुविधा से हमें हिम्मत हुयी कुछ करने की |